ज्ञान जागरूकता संगठन

प्रगति प्रतिवेदन

(ANNUAL REPORT)

वर्ष : 2023–24

पंजीकृत कार्यालय

लोधू थोक, अतर्रा (बांदा)
फोन / फैक्स: 05191. 211359
मो0: 9452510195ए 8707060872
E-Mail: abhiyanbanda@yahoo.com
abhiyanbanda10@rediffmail.com
Website :http://abhiyan.net.in/

क्षेत्रीय कार्यालय

- बेड़ी पुलिया, कर्वी (चित्रकूट)
- कर्मयोग विद्यापीठ, उदयपुर (बदौसा), बांदा
- ग्राम / पो0–चौसड़, बिसण्डा (बांदा)

निदेशक की कलम से .....

बुन्देलखण्ड में पूर्व से ही आजीविका का प्रमुख स्रोत कृषि रही है। वर्तमान बदलते परिवेश में पूरी कृषि बाजार आधारित हो गयी है। जिससे किसान की कृषि हमेशा नुकसान में रहती है। इसके अलावा दैवीय आपदाओं से भी कृषि को बहुत बड़ा नुकसान होता है। ऐसी परिस्थिति में युवा वर्ग किसानी व कृषि को प्राथमिकता देने के स्थान के बजाय बाहर जाकर मजदूरी का काम करना ज्यादा पसंद करता है। सरकार द्वारा कृषि को लाभकारी व स्थायी आजीविका के रूप में स्थापित करने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम व परियोजनायें चलायी जा रही है। लेकिन कृषि गांव के ही लोगों का पसंदीदा विषय नहीं बन पा रहा है।

संस्था द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में किसानों से चर्चा करके यह अनुभव किया कि कृषि क्षेत्र में प्रमुख समस्या के रूप में केवल सुरक्षा व पानी ही है तथा सामुदायिक खेती की प्रवृत्ति को बढ़ाना जरूरी है। अतः संस्था ने सामुदायिक खेती की एक सोच बनाकर के काम करना प्रारम्भ किया है।

आज हमारी फसलों पर हो रहे अधाधुन्ध जहरीले रासायनों व रसायनिक खाद के प्रयोग से हर खाद्य पदार्थ जैसे अनाज, सब्जी, फल, मसाले आदि जहरीले हो रहे हैं। यह जहरीले तत्व फसलों के साथ वातावरण, पानी, भूमि एवं हवा को भी दूषित कर चके हैं। जब यही उत्पाद मनुष्य या पशु खाते हैं तो यह जहरीले तत्व हमारे व पशुओं के अन्दर जात है और विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, बी.पी., मधुमेह व गुर्दो की बीमारी को जन्म देते है और हमारा जीवन दुसह बनाते है। इसी तरह यह जहरीले तत्व चारे के साथ में पशुओं के अन्दर जाकर विकार उत्पन्न करते है तथा उनसे प्राप्त दूध, मास इत्यादि भी प्रदूषित होते हैं व गंभीर बीमारी का कारण बनते है। इस दूध का सेवन बच्चे करते है जो कि उनके स्वास्थ्य के लिये गम्भीर खतरा पैदा करता है।

संस्था द्वारा जल, जंगल, जमीन और जानवर के मुद्दे पर विशेष रूप से काम करने की योजना है। इस पुनीत कार्य में आपसे सहयोग की अपेक्षा है।

संस्था अभियान अतर्रा की हार्दिक शुभकामनाओ के साथ

धन्यवाद !

अशोक कुमार
निदेशक
अभियान,अतर्रा

संस्थागत परिचय :

1.	संस्था का नाम	:	अभियान, अतर्रा (बांदा)
2.	पता	:	लोधू थोक, (डाकघर के सामने) , अतर्रा जिला– बांदा (उ0प्र0), पिन– 210 201
3.	संचार सम्पर्क	:	**फोन** : 05191–211359 **मो0**: 9452510195 **ई–मेल** :**abhiyanbanda10@rediffmail.com** **abhiyanbanda@yahoo.com** **वेबसाइट** :**www.abhiyanbanda. in**
4.	मुख्य कार्यकारी	:	अशोक कुमार श्रीवास्तव, निदेशक
5.	स्थापना वर्ष	:	अगस्त 1985
6.	संगठन का स्वरूप	:	अलाभकारी स्वैच्छिक संगठन
7.	वैधानिक स्थिति (Legal Status)	:	**सोसाइटी पंजीयन संख्या**–1186/86–87 (02.04.1986 को पंजीकृत) Jhansi (Renewal 13.08.2021)
		:	FCRA No.136280008 (18.06.1986)(Renewal 23.03.2022)
		:	12A : 12A/749/AA(IT Act के अन्तर्गत पंजीकृत) 80G : AABTA1075CF 20225 PAN : AA BTA 1075C
		:	TAN : KNPA02754D CSR-1 : CSR00024522 DARPAN ID : UP/2017/0166625
8.	कार्यक्षेत्र	:	उ0प्र0 के बुन्देलखण्ड क्षेत्र के बांदा एवं चित्रकूट जनपद
9.	लक्ष्य	:	जन सहभागिता के माध्यम से प्रकृति का संरक्षण संम्वर्धन करते हुए निर्धन एवं पिछड़े लोगों का आर्थिक व सामाजिक विकास करना
10.	उद्देश्य	:	• आर्थिक समानता, सामाजिक न्याय तथा लोकमत पर आधारित ग्रमीण विकास करना। • स्वास्थ्य सेवा, परिवार नियोजन एवं शिशु कल्याण के प्रति लोगों में सही समझ को विकसित करना तथा पारम्परिक चिकित्सा पद्धति को पुनर्जीवित करना। • गरीब वर्ग के बालक/बालिकाओं एवं महिलाओं/पुरूषों में औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा के प्रति रूचि पैदा करना एवं शिक्षा के प्रचार–प्रसार में सहयोग करना। • ग्रामीण युवक/युवतियों को सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पहलुओं की सही जानकारी देना तथा उत्पन्न समस्याओं के समाधान हेतु सहभागी प्रशिक्षणों का आयोजन करके उनके अन्दर ज्ञान, जागरूकता व निपुणता की क्षमता उत्पन्न करना, साथ ही शासकीय सुविधाओं, नियमों व कानूनों से हितग्राहियों व जनमानस को बताना। • जनसहभागिता के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि विकास एवं स्थायी आजीविका से जुड़े कार्यक्रमों को संचालित करने का प्रयास करना। • महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु विकास प्रक्रिया में उनकी भागीदारी के अवसरों को बढ़ाना तथा पंचायतों को सशक्त बनाने का प्रयास करना। • सरकारी व गैर सरकारी सेवाओं व सुविधाओं से समुदाय को लाभान्वित कराने में सहयोग करना तथा परम्परागत तकनीकी पद्धतियों से पुर्नजीवित करना।
11.	लक्षित समूह	:	गरीब, पिछड़े व उपेक्षित समुदाय के महिला, किशोरी, बच्चे, युवा, किसान।
12.	प्रमुख कार्य के मुद्दे	:	• महिला एवं बाल विकास • आजीविका • प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन • जल एवं स्वच्छता • पंचायतीराज • एडवोकेशी/नेटवर्किंग
13.	संस्थागत संसाधन	:	• भूमि/निजी भवन • दुपहिया वाहन • कम्प्यूटर/लैपटॉप• कैमरा/जी0पी0एस0 • फर्नीचर/अलमारी • साइकिल • इनवर्टर/बैटरी

परियोजना व गतिविधियांः(वर्ष 2023–24)

क्र0	परियोजना का नाम	कियान्वयन क्षेत्र	लक्षित समूह	गतिविधियां	आर्थिक सहयोग
1.	**बुन्देलखण्ड में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम (One Tree Planted Programme),OTP**	बुन्देलखण्ड का बांदा एवं चित्रकूट जनपद के 30 गांव	बांदा एवं चित्रकूट जनपद के किसान	• जन सम्पर्क, जन जागरूकता (बैठकें,दीवाल लेखन पम्पलेट वितरण, फलैक्स,मोबाइल वैन) • किसानो का प्रशिक्षण एवं बैठक, • वृक्षारोपण हेतु किसानो व खेत का चयन मांग पत्र व पंजीकरण • नर्सरी निर्माण, पौध वितरण, वृक्षारोपण, मॉडल प्लाट निर्माण • सब्जी उत्पादन • मानीटिरिंग व मूल्यांकन • रिपोर्टिग एवं डाक्यूमेन्टेशन • कार्यकर्ताओं की बैठके	**SGI Kolkata** **वर्ष 2022–23 की निरन्तरता, जनवरी 2024 तक**
2.	**सुरक्षित एवं स्वच्छ जल उपलब्धता परियोजना**	चित्रकूट जनपद की 10 ग्राम पंचायत	समुदाय के पानी स्वच्छता से सम्बन्धित सभी स्टेक होल्डर	• जल स्रोतो के स्थायित्व पर कार्यशाला • स्वच्छता पर जन संवाद कार्यशाला • बुन्देलखण्ड वाटर विजन 2047 कार्यशाला	**वाटरएड, इण्डिया/ जल सेवा चैरिटेबल फाउन्डेशन** **वर्ष 2022–23 के क्रम में अवशेष फंड का उपयोग**
3.	**एडवोकेशी/नेटवर्किग**	बाँदा,चित्रकूट जनपद	स्वैछिक संगठन, दाता संस्थायें, वॉश फोरम, शिक्षण संस्थान, पंचायत, प्रशासन	• विश्व पर्यावरण दिवस गोष्ठी • विश्व जल दिवस गोष्ठी	**इन कार्यक्रमों को स्थानीय सहयोग व संस्था अभियान एवं जिला वॉश फोरम के सहयोग से संपादित**
4.	**ग्राम जल शिविर**	ग्राम मऊ, बांदा	समुदाय, पंचायत, अटल भूजल के प्रतिनिधि	ग्राम विजिट डाटा अध्ययन ग्राम जल शिविर 11.10.2023	**इण्डियन इंवार्वमेंटल लॉ आर्गानाइजेशन (IELO) गुड़गांव हरियाणा** **6 माह की अवधि का प्रोग्राम**
5	**ग्लोवल हैण्डवॉश कम्पेन**	ग्राम उफरौली, रामनगर, चित्रकूट	प्राथमिक विद्यालय उफरौली रामनगर के स्कूली बच्चे	1– बच्चों को हाईजीन एजूकेशन 2– हैण्डवॉश	**अभियान, अतर्रा द्वारा स्कूल के सहयोग से**

1– बुन्देलखण्ड में वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम
One Tree Planted (OTP) Project

उद्देश्य -

- किसानों की आजिविका को सुनिश्चित करने हेतु वृक्षारोपण प्राकृतिक कृषि एवं बागवानी को बढाना।
- छोटे व सीमांत किसानों को सामुदायिक कुषि व बागवानी हेतु संगठित करना।
- पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करना

कार्यक्षेत्र :

क्र. सं.	जनपद	ब्लाक	ग्रामों की संख्या	परिवारों की संख्या	कुल जनसंख्या	लक्षित किसान
1	बाँदा	नरैनी	10	7666	44475	1000
2	बाँदा	बिसण्डा	10	7404	42735	1000
3	चित्रकूट	कर्वी	10	4269	28337	1000
योग	02	03	30	19339	115547	3000

गतिविधियां :

क्र.सं.	कार्यक्रम	विवरण
1	कार्यकर्ता बैठक	कार्यकर्ताओ की 19 मासिक बैठको का आयोजन किया गया। बैठकों में कार्य की समीक्षा, आगामी कार्ययोजना, समस्या व समाधान, के साथ साथ कार्यकर्ताओं की भूमिका व उपलब्धि पर चर्चा की गयी है।
2	किसानों से सम्पर्क व समूह निर्माण	किसानों से गांव–गांव में जाकर परियोजना की बारे में जानकारी दी गयी। तथा 4387 किसानो के 91 किसान समूह गठित किये गये।
3	किसानों के साथ बैठक/प्रशिक्षण	बाँदा व चित्रकूट जनपद के 8 ग्रामों में वृक्षारोपण हेतु किसानो को जागरूक करने के लिए बैंठके व प्रशिक्षण किये गये तथा 161 किसान समूह प्रतिनिधियों ने भागीदारी किया ।
4	जन जागरूकता कार्यक्रम	परियोजना क्षेत्र के गांव में वृक्षारोपण हेतु किसानों को जागरूक करने हेतु निम्नलिखित गतिविधियां की गयी। • संपर्क व बैठकें • दीवाल लेखन • पम्पलेट पर्चा वितरण

		• जागरूकता शिविर • जागरूकता रथ • ग्राम चौसड़ में दिनांक 25.04.2023 को जन जागरूकता अभियान का शुभारंभ पद्मश्री से सम्मानित श्री उमाशंकर जी द्वारा करके जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
5	वृक्षारोपण हेतु किसानो का चयन	बाँदा जनपद में 3496 में व चित्रकूट जनपद में 1476 किसानो सहित कुल 4972 किसानो का चयन वृक्षारोपण हेतु किया गया।
6	पौध हेतु नर्सरी निर्माण	वृक्षारोपण हेतु प्राप्त पौध के सुरक्षित रखरखाव हेतु ग्राम चौसड, रम्पुरवा, रसिन प्रथम व द्वतिय, बदौसा, महुराई, ढिमरहुवां (पौहार) में नर्सरी का निर्माण कराया गया।
7	पपीता पौध रोपण	
8	पौध वितरण व वृक्षारोपण कार्य	40 गांव के कुल 4387 किसानो को इमारती व फलदार कुल 266853 पौधों का वितरण कराकर वृक्षारोपण कराया गया।
9	मानीटिरिंग व रिपोर्टिग	कार्यकर्ताओं द्वारा किसानो के यहां जाकर पौधों की मानीटरिंग की गयी तथा एसजीआई द्वारा समय–समय पर पौधों की मानीटरिंग, रिपोर्टिग के साथ–साथ पौधो की आडिट भी की गयी।

वृक्षारोपण कार्य –

जनपद	ब्लाक	प्राप्त पौध संख्या	मृत पौध संख्या	नर्सरी में पौध संख्या	नर्सरी में मृत पौध संख्या	वितरित पौध संख्या
बांदा / चित्रकूट	1– नरैनी 2– बिसण्डा 3– कर्वी	3779351	7030	379351	112501	266850

2– सुरक्षित एवं स्वच्छ जल उपलब्धता परियोजना

उद्देश्य :

- समुदाय को सुरिक्षत व पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता कराना।
- स्कूलों में बालक बालिकाओं को वॉश की सुविधायें सुनिश्चित कराना, तथा बच्चों की वॉश पर समझ बढ़ाना।
- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण/सम्वर्धन हेतु सामुदायिक संगठनों को सक्रिय व सशक्त बनाना।
- वॉश के मुद्दे पर समुदाय, पंचायत, प्रशासन, स्वैच्छिक संगठन, मीडिया व अन्य स्टेक होल्डर्स को एक मंच लाना।

रणनीति :

परियोजना के सफल संचालन तथा समुदाय एवं स्कूलो में जल स्वच्छता की स्थितियो मे बदलाब हेतु निम्न रणनीति अपनायी गयी–

- सर्वे, अध्यन एवं सूक्ष्म कार्ययोजना
- जन जागरूकता
- सामुदायिक संगठनो का गठन व क्षमतावृद्वि
- जन पैरवी व नेटवर्किंग
- स्कूल हाईजीन प्रमोशन
- सरकार,प्रशासन, पंचायत एवं मीडिया के साथ संबद्वता व नेटवर्किंग।

कार्यक्षेत्र–

क.सं.	जनपद	ब्लाक	ग्रा0पं का नाम	मजरों की संख्या	कुल जनसंख्या
1.	चित्रकूट	कर्वी	कौहारी	02	2203
			साईंपुर	01	1681
			कहेटामाफी	01	1815
			बनाड़ी	02	2423
			करारी	02	1695
			हिनौतामाफी	01	1926
			पतौड़ा	02	2925
			पुरवा तरौंहा	02	3415
2.		पहाड़ी	बाबूपुर	02	2555
			इटौरा	02	2488
योग–		**02**	**10**	**17**	**23126**

सामुदायिक संगठन/वॉश फोरम :

क.सं.	समूह का प्रकार	समूह सं0	सदस्य संख्या		
			पु0	म0	योग
1.	जिला वॉश फोरम	01	11	04	15
2.	ब्लाक वॉश फोरम	02	20	12	32
3.	विलेज वॉश फोरम	17	193	67	260
4.	किशोरी समूह	15	0	228	228
	योग–	**35**	**224**	**311**	**535**

गतिविधि :–

क्र.सं.	कार्यक्रम	विवरण
1	**जल स्रोतो के स्थायित्व पर कार्यशाला**	दिनांक 29.09.2023 को अभियान अतर्रा बांदा, जिला वॉश फोरम चित्रकूट एवं वाटरएड के संयुक्त तत्वाधान में जल स्रोतों के स्थायित्व पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन स्वर्णिमा होटल सीतापुर, चित्रकूट में आयोजित किया गया। इस समारोह में कर्वी एवं पहाड़ी ब्लाक के विलेज वॉश फोरम, स्वैच्छिक कार्यकर्ता, पंचायत प्रधान एवं जिला वॉश फोरम के लगभग 100 सदस्यों ने कार्यक्रम में भागीदारी की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'जल स्रोतों के स्थायित्व हेतु वर्षा जल संचयन एवं संग्रहण के संसाधनों को बढ़ावा देना' है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी श्री आर0के0 त्रिपाठी उपस्थित रहे। तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री श्री उमाशंकर पाण्डेय जी द्वारा की गयी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ममता वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री श्री उमाशंकर पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी चित्रकूट श्री आर0के0 त्रिपाठी, जिला वॉश फोरम चित्रकूट के श्री आलोक द्विवेदी, संस्था अभियान के निदेशक श्री अशोक कुमार, जिला वॉश फोरम चित्रकूट के श्री शंकरदयाल पयासी वाटरएड चित्रकूट के जिला समन्वयक श्री सुनील कुमार मुख्य वक्ता व संदर्भ व्यक्ति के रूप में रहे।
2	**स्वच्छता पर जन संवाद कार्यशाला**	दिनांक 14.12.2023 को अभियान अतर्रा बांदा, जिला वॉश फोरम चित्रकूट एवं वाटरएड के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छ भारत मिशन एवं ओ.डी.एफ. प्लस कार्यशाला का आयोजन स्वर्णिमा होटल सीतापुर चित्रकूट में आयोजित किया गया। इस समारोह में कर्वी एवं पहाड़ी ब्लाक के विलेज वॉश फोरम , स्वैच्छिक कार्यकर्ता, पंचायत प्रधान एवं जिला वॉश फोरम के लगभग 100 सदस्यों ने कार्यक्रम में भागीदारी की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्‌देश्य ग्रामीण स्तर की स्वच्छता के आयामों को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी श्री आर.के. त्रिपाठी, एडीपीओ श्री रमेशचन्द्र व स्वच्छ भारत

		मिशन के जिला समन्वयक श्री प्रभात जी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि श्री शक्ति प्रताप सिंह जी द्वारा की गयी। कार्यक्रम का संचालन ममता वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि श्री शक्ति प्रताप सिंह, जिला विकास अधिकारी चित्रकूट श्री आर0के0 त्रिपाठी, एडीपीओ श्री रमेशचन्द्र जी, जिला वॉश फोरम चित्रकूट के अध्यक्ष श्री आलोक द्विवेदी, समाजसेवी श्री आशीष रघुवंशी, संस्था अभियान अतर्रा के निदेशक श्री अशोक कुमार व वाटरएड के जिला समन्वयक श्री सुनील कुमार मुख्य वक्ता व संदर्भ व्यक्ति के रूप में रहे।
3	**बुन्देलखण्ड वाटर विजन 2047 कार्यशाला**	दिनांक 21.02.2024 को अभियान अतर्रा बांदा, जिला वॉश फोरम चित्रकूट, टाटा ट्रस्ट, आगा खां फाउण्डेशन एवं वाटरएड के संयुक्त तत्वाधान में प्रकृति के संरक्षण/सम्वर्धन में सामूहिक प्रयासों के अवसर बढ़ाने हेतु बुन्देलखण्ड वाटर विजल 2024 पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट में आयोजित किया गया। इस समारोह में बुन्देलखण्ड के स्वैच्छिक संगठन, शैक्षणिक संस्थानों, विभिन्न सरकारी विभागों से आये हुए पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता व किसानों ने कार्यक्रम में लगभग 120 लोगों ने भागीदारी की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बुन्देलखण्ड वाटर विजन 2047 का साझा कार्यक्रम की आवश्यकता व निर्धारण करना है। कार्यक्रम में श्री अभयन महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, पद्मश्री श्री रवि कान्त पाठक, श्री फारुख रहमान खान वाटरएड, महन्त मा0 मदन दास गोपाल जी चित्रकूट, श्री राकेश टाटा ट्रस्ट, श्री जयराम पाठक आगा खां फाउण्डेशन, श्री बसंत पण्डित कोषाध्यक्ष दीनदयाल शोध संस्थान व संस्था अभियान अतर्रा के निदेशक श्री अशोक कुमार मुख्य संदर्भ व्यक्ति के रूप में रहे।

3– एडवोकेशी / नेटवर्किंग

1– विश्व पर्यावरण दिवस–

दिनांक 05.06.2023 को अभियान शाखा चित्रकूट, जिला वॉश फोरम चित्रकूट, जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति चित्रकूट, एसजीआई कोलकाता, वाटरएड / जे0एस0सी0एफ0 व ग्रामींण परम्परा विकास संस्थान शिवरामपुर के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह का आयोजन अभियन कार्यालय बेड़ीपुलिया, कर्वी चित्रकूट में आयोजित किया गया, इस समारोह में स्वैच्छिक संगठनों के लगभग 25 प्रतिभागियों ने भागीदारी की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन में स्वैच्छिक संगठन व समाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका के आधार पर कार्ययोजना बनाकर संयुक्त रूप से कार्य करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला वॉश फोरम चित्रकूट के अध्यक्ष श्री आलोक द्विवेदी जी द्वारा की गयी।

कार्यक्रम का संचालन संस्था अभियान अतर्रा के निदेशक श्री अशोक कुमार जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ0 प्रभाकर सिंह, श्री शंकरदयालय पयासी जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति, श्री श्रवण कुमार ग्रामीण परम्परा विकास संस्थान शिवरामपुर, श्रीमती ममता कम्युनिटी फैसिलीटेटर वाटरएड, श्री बनवारीलाल एसजीआई चित्रकूट, श्री सुनील कुमार जिला समन्वयक वाटरएड मुख्य वक्ता व संदर्भ व्यक्ति के रूप में रहे।

2– विश्व जल दिवस गोष्ठी–

दिनांक 22.03.2024 को अभियान अतर्रा, जिला वॉश फोरम चित्रकूट एवं वाटरएड के संयुक्त तत्वाधान में विश्व जल दिवस के अवसर पर ''शांति के लिये पानी'' पर गोष्ठी का आयोजन बेड़ीपुलिया, कर्वी (चित्रकूट) में किया गया। इस कार्यक्रम में जिला वॉश फोरम के सदस्य, स्वैच्छिक कार्यकर्ता एवं स्वैच्छिक संगठनों के सदस्य सहित, लगभग 30 लोगों ने कार्यक्रम में भागीदारी की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'भूजल प्रबन्धन, भूजल की स्थिति, समस्यायें व समाधान पर जन संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री आलोक द्विवेदी, जिला वॉश फोरम चित्रकूट ने की तथा कार्यक्रम का संचालन जिला वॉश फोरम के सचिव श्री शंकरदयाल पयासी ने किया।

श्री आलोक द्विवेदी, अध्यक्ष जिला वॉश फोरम चित्रकूट, श्री शंकरदयाल पयासी, सचिव जिला वॉश फोरम चित्रकूट, डा0 विनोदशंकर सिंह, समाज कार्य विभाग ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, संस्था अभियान के निदेशक श्री अशोक कुमार मुख्य वक्ता व संदर्भ व्यक्ति के रूप में रहे।

3– ग्राम जल शिविर –

बांदा जनपद में अटल भूजल के अन्तर्गत जल संरक्षण को लेकर किये जा रहे कार्यों के परिणामों को जानने के लिए अभियान संस्था अतर्रा बांदा द्वारा इण्डियन इंवार्वमेन्टल लॉ आर्गानाइजेशन गुड़गाव के साथ मिलकर 5 गावों का समुदाय के साथ संपर्क, बैठक, ग्राम विजिट व जानकारियों का संग्रह किया गया है। इसके उपरान्त दिनांक 18.11.2023 को महुवा ब्लाक ग्राम मऊ (गिरवा) में एक ग्राम जल शिविर का आयोजन करके अटल भूजल योजना के प्रभावों की समीक्षा की गयी। बैठक में समुदाय, पंचायत, अटल भूजल योजना के प्रतिनिधि सहित 52 लोगों ने भागीदारी की गयी। इण्डियन इंवार्वमेन्टल लॉ आर्गानाइजेशन (गुड़गाव से मोहम्मद सवाहिक सिद्दीकी ने संदर्भ व्यक्ति के रूप में भागीदारी की।

4– ग्लोबल हैण्डवाशिंग कम्पेन –

दिनांक 15–21 अक्टूबर 2023 तक चलने वाले ग्लोबल हैण्डवाशिंग के अन्तर्गत संस्था अभियान अतर्रा बांदा द्वारा दिनांक 18.10.2023 को चित्रकूट जनपद के रामनगर ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय ग्राम उफरौली में स्कूली बच्चों को हाईजीन एजूकेशन व हैण्डवाश का कार्य किया गया। बच्चों को हैण्डवॉश हेतु एक हैण्डवॉश यूनिट भी दी गयी। कार्यक्रम बच्चों अध्यापकों के द्वारा बहुत सक्रियता से सहभागिता करते हुए स्कूल में बच्चों को प्रतिदिन हैण्डवॉश व हाईजीन एजूकेशन देने का काम करने की बात कही गयी। इसके साथ–साथ आईईसी मटेरियल के अन्तर्गत बच्चों को चार्ट, पोस्टर, पम्पलेट व सॉप सीढ़ी की सीट भी दी गयी। कार्यक्रम में 4 अध्यापकों सहित 85 बच्चों ने भागीदारी की। इस कार्यक्रम में जिला वॉश फोरम चित्रकूट, प्यूपिल वॉश सॉल्यूशन एलएलपी लखनऊ का सहयोग रहा।

संस्था द्वारा बाहरी बैठकों / प्रशिक्षण / कार्यशालाओं में भागीदारी वर्ष 2023–24

दिनांक	कार्यक्रम	स्थान	आयोजक
13-05-2023	साथी उ0प्र0 बैठक	कामद्गिरि स्वीट्स हाउस कर्वी चित्रकूट	पानी संस्थान फैजाबाद
24/25-05-2023	अटल भूजल यात्रा	रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज बांदा	अटल भूजल योजना भारत सरकार
28-05-2023	जिला वास फोरम मीटिंग	बेडीपुलिया चित्रकूट	जिला वास फोरम चित्रकूट
02-08-2023	बुन्देलखण्ड में जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला	नाबार्ड / बर्ड लखनऊ	जी.ई.ए.जी. गोरखपुर / जी.आई.जेड जर्मनी
18 to 22 Aug 2023	वाटरशेड डेवलेपमेन्ट पर क्षमता वृद्धि कार्यक्रम	सेवाग्राम बरधा	बजाज फाउंडेशन
22-09-2023	जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला	नाबार्ड / बर्ड लखनऊ	जी.ई.ए.जी. गोरखपुर / जी.आई.जेड जर्मनी
24-09-2023	युवा सम्मेलन	यू0पी0 टूरिस्ट बंगला चित्रकूट	कासा लखनऊ
25-09-2023	जोनल कमेटी बैठक	यू0पी0 टूरिस्ट बंगला चित्रकूट	कासा लखनऊ
27/28 Sep 2023	प्लानिंग वर्कशाप	सहभागी शिक्षण केन्द्र लखनऊ	कासा लखनऊ
20-10-2023	चाइल्ड डेवलपमेन्ट वर्कशाप	फार्चून पार्क लखनऊ	सेफ सोसाइटी लखनऊ
30-11-2023	जलागम कार्यशाला	अशोक होटल नई दिल्ली	एस0एम0 सहगल नई दिल्ली
23-12-2023	जिला वास फोरम मीटिंग	बेडीपुलिया चित्रकूट	जिला वास फोरम चित्रकूट
27-02-2024	नाना जी की पुण्य तिथि कार्यक्रम	बी0आर0आई0 चित्रकूट	बी0आर0आई0 चित्रकूट
28-02-2024	बाल सुरक्षा कार्यक्रम	एस0एस0 रेजीडेन्स बांदा	ग्रामीण परम्परा विकास संस्थान शिवरामपुर
14-03-2024	जलागम कार्यक्रम	होटल लेमन ट्री झांसी	एस0एम0 सहगल नई दिल्ली

वित्तीय सहयोग :

क.सं.	सहयोगी	पता
1-	**Sustainable Green Initiative (SGI)**	P-41, Princep Street, 2nd Floor, Room no.213, Kolkata 700072
2-	**WATERAID**	2nd floor, RK Khanna Tennis Stadium, DLTA Complex, 1 Africa Avenue, Safdarjung Enclave,New Delhi 110029
3-	**Indian Invormental Law Organization Gurhgown**	Gurhgown, (HR)

ऑडिटर : **ओसवाल एण्ड कं0**
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट
ललितपुर, (उ0प्र0)[1]

नेटवर्किंग :

- **उ0प्र0 वॉलण्टरी हेल्थ एसोसियेशन (UPVHA), लखनऊ**
- **उ0प्र0 वॉलण्टरी एक्शन नेटवर्क (UPVAN), लखनऊ**
- **बुन्देलखण्ड डेवलपमेन्ट कन्सोटियम (BDC)**
- **जिला वॉश फोरम, चित्रकूट**
- **बुन्देलखण्ड वॉश फोरम, बांदा**
- **नेशनल क्वाल्यूशन फॉर नेचुरल फार्मिंग (NCNF)**
- **मीडिया ग्रुप (प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, सोशल मीडिया)**

सहयोगी संस्थान :

- **जैविक ग्राम ट्रस्ट अतर्रा**
- ग्राम उन्मेष संस्थान, बांदा
- समर्पण जन कल्याण समिति, कोंच
- बुन्देलखण्ड विकास समिति, चौसड(बांदा)
- ग्रामीण परम्परा विकास संस्थान, शिवरामपुर
- कालींजर शोध संस्थान, कालींजर
- दीनदयाल शोध संस्थान,चित्रकूट
- सामाजिक विकास संस्थान, चित्रकूट
- जे0आर0 विकलांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट
- प्रभात समिति, बदौसा (बांदा)
- जिला वॉश फोरम, चित्रकूट
- जन शिक्षण एवं प्रशिक्षण समिति, अतर्रा (बांदा)
- लैना बाबा इण्टर कालेज, शिवरामपुर (चित्रकूट)
- एफ्रो ग्वालियर/नई दिल्ली
- पीएसआई देहरादून

1

आम सभा व प्रबन्ध कारिणी समिति बैठक:

क.सं.	बैठक विवरण	दिनांक	उपस्थिति संख्या	स्थान
1.	प्रबन्ध कारिणी समिति बैठक	04.06.2023	11/9	कार्यालय– अभियान, अतर्रा (बांदा)
		08.10.2023	11/8	कार्यालय– अभियान, अतर्रा (बांदा)
		03.02.2024	11/8	कार्यालय– अभियान, अतर्रा (बांदा)
2.	आम सभा बैठक	22.10.2023	15/12	कार्यालय– अभियान, अतर्रा (बांदा)

प्रबन्ध समिति की सूची :(31.03.2024 को)

क. सं.	नाम	पद	नियुक्ति का दिनांक	व्यवसाय	पता
1.	श्री हरीमोहन राय पुत्र श्री संपतराय	अध्यक्ष	09.09.2007	नौकरी/ समाजसेवा	गॉधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना(म0प्र0)
2.	श्री अशोक कुमार पुत्र श्री रामस्वरूप	निदेशक	02.04.2011	समाजकार्य	लोधू थोक, अतर्रा(बाँदा) उ0प्र0
3.	श्रीमती ममता वर्मा पत्नी श्री राजकिशोर वर्मा	संयोजक	02.04.2011	समाजकार्य	ग्राम/पोस्ट– रसिन, चित्रकूट
4.	श्री रामकिशोर पुत्र श्री नौमतलाल	कोषाध्यक्ष	21.11.2012	व्यवसाय	ग्राम–टिटिहरा, पोस्ट–भरतकूप (चित्रकूट)
5.	श्री पियूषदास पुत्र श्री संतोष कुमार दास	परामर्शदाता	09.09.2007	एनजीओ जॉबवर्क	ग्रा0/पो0–ओरंगी, जिला–बालासोर (उडीसा)
6.	श्रीमती वन्दना सिंह	सदस्य	03.07.2022	गृहकार्य	ग्रा0 पिपरहरी, पोस्ट–पचोखर, तहसील–नरैनी जनपद–बांदा, उ0प्र0 210129
7.	श्रीमती सन्तोषी सैनी पत्नी श्री सन्तोष कुमार	सदस्य	29.04.2021	नौकरी	वार्ड नं0 17 बजरंग नगर, अतर्रा (बाँदा) उ0प्र0 210201
8.	श्रीमती नीलम पत्नी श्री प्रभात कुमार	सदस्य	02.04.2007	समाजसेवा	ग्रा0/पो0–सातोसिकरी, रामोपट्टी जिला– बक्सर (बिहार)
9.	श्री अरविन्द छिरौलिया पुत्र श्री श्यामलाल	सदस्य	02.04.2007	समाजसेवा	ग्राम–कालींजर, पोस्ट– कालींजर जिला–बॉदा (उ0प्र0)
10.	श्री श्रवण कुमार पुत्र श्री काशी प्रसाद	सदस्य	02.04.2011	समाजसेवा	ग्राम– मछरिहा, पोस्ट– शिवरामपुर(चित्रकूट)
11.	श्री अम्बरीष कुमार पुत्र श्री अखिलबिहारी	सदस्य	25.11.2012	समाजकार्य	ए–267, आवास विकास कालोनी, (बाँदा) उ0प्र0

समाचार पत्र :

आज चित्रकूट
कानपुर 23 मार्च 2024 5

भविष्य में जिन्दा रहने के लिए अपनी पानी की व्यवस्था करनी होगी: आलोक द्विवेदी

विश्व जल दिवस के अवसर पर ''शांति के लिये पानी'' पर गोष्ठी सम्पन्न

चित्रकूट, 22 मार्च । अभियान अतर्रा जिला वॉश फोरम चित्रकूट एवं वाटरएड के संयुक्त तत्वावधान में विश्व जल दिवस के अवसर पर ''शांति के लिये पानी'' पर गोष्ठी का आयोजन बेड़ीपुलिया कर्वी में किया गया। इस कार्यक्रम में जिला वॉश फोरम के सदस्य, स्वैच्छिक कार्यकर्ता एवं स्वैच्छिक संगठनों के सदस्य सहित, लगभग 30 लोगों ने कार्यक्रम में भागीदारी की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'भूजल प्रबन्धन, भूजल की स्थिति, समस्यायें व समाधान पर जन संवाद स्थापित करना था।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते जिला वॉश फोरम अध्यक्ष आलोक द्विवेदी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला वॉश फोरम चित्रकूट आलोक द्विवेदी ने की तथा कार्यक्रम का संचालन जिला वॉश फोरम के सचिव शंकरदयाल पयासी ने किया। अध्यक्ष जिला वॉश फोरम आलोक द्विवेदी चित्रकूट ने कहा कि हर घर में नल जल योजना से प्रत्येक घर में पानी पहुंचाने की योजना है। लेकिन इसके संचालन व रखरखाव की व्यवस्था के लिये पंचायतों के पास कुछ विकल्प होना चाहिए। उद्योग धंधों पर 70 से 80 प्रतिशत पानी खर्च होता है जिस पर पहल करने की आवश्यकता है। भविष्य में जिन्दा रहने के लिए अपनी पानी की व्यवस्था करनी होगी। सचिव जिला वॉश फोरम शंकरदयाल पयासी ने बताया कि हमारे कर्वी में पानी की 80 प्रतिशत सप्लाई मंदाकिनी नदी से होती है, जिससे गर्मियों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हमें अपने गांव के परम्परागत स्रोतों को सुरक्षित रखना होगा।

समाज कार्य विभाग ग्रामोदय विश्वविद्यालय चिकत्रूट डा0 विनोद शंकर सिंह ने कहा कि पहले इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प 100 फिट में निरन्तर पानी देता था लेकिन अब जल स्तर नीचे जाने से पानी नहीं दे रहें हैं। बरसात का पानी ज्यादा से ज्यादा रोकने के लिए हर गांव में एक मॉडल जरूर होना चाहिए और छोटे-छोटे बांध बनाकर बरसात के पानी को रोका जाना चाहिए। संस्था अभियान के निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि हमें वर्षा जल संचयन एवं संवर्धन के लिए ग्राम पंचायत की योजना में वर्षा जल संग्रहण एवं संचयन से सम्बन्धित कामों को ग्राम पंचायत की योजना में शामिल कराना चाहिए।संगोष्ठी में श्रवण कुमार कोषाध्यक्ष जिला वॉश फोरम, सुनील कुमार वाटरएड, सुनील, दुर्गा प्रसाद, श्रीमती ममता वर्मा, श्रीमती उर्मिला आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इस संगोष्ठी में सभी की तरफसे सुझाव आये कि जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त करना, पुराने पेड़ो का संरक्षण एवं वृक्षारोपण, कम पानी वाली फसलों को प्राथमिकता देना, ग्राम पंचायत योजनाओं में जल संचयन एवं संवर्धन की गतिविधियों को सामिल कराना, स्कूलों में पर्यावरण की शिक्षा को अनिवार्य करना, भू-साक्षरता पर जागरूकता एवं जल गुणवत्ता बनाये रखने हेतु लोगों को जागरूक एवं संवेदित करना आदि सुझाव संगोष्ठी में निकलकर आये।

चित्रकूट जागरण 4 दैनिक जागरण कानपुर, 25 मार्च, 2024

'जिंदा रहने के लिए करनी होगी पानी की व्यवस्था'

जागरण संवाददाता, चित्रकूट : अभियान अतर्रा, जिला वाश फोरम चित्रकूट व वाटरएड के संयुक्त तत्वाधान में 'शांति के लिए पानी' विषय पर गोष्ठी हुई। इसमें जिला वाश फोरम के जिलाध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने कहा कि उद्योग धंधों पर 70 से 80 प्रतिशत पानी खर्च होता है। इस पर पहल करने की आवश्यकता है। भविष्य में जिंदा रहने के लिए पानी की व्यवस्था करनी होगी।

सचिव शंकरदयाल पयासी ने कहा कि कर्वी नगर में पानी की 80 प्रतिशत सप्लाई मंदाकिनी से होती है। ऐसे में गर्मी के दिनों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हमें अपने गांव के परंपरागत स्रोतों को सुरक्षित रखना होगा। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय डा. विनोद शंकर सिंह ने कहा कि पहले इंडिया मार्का-2 हैंडपंप 100 फिट में निरंतर पानी देता था लेकिन अब जल स्तर नीचे जाने से पानी नहीं दे रहे है। संस्था अभियान के निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि हमें वर्षा जल संचयन एवं संवर्धन के लिए ग्राम पंचायत की योजना में वर्षा जल संग्रहण एवं संचयन से संबंधित कामों को ग्राम पंचायत की योजना में शामिल कराना चाहिए। यहां श्रवण कुमार, सुनील कुमार, दुर्गा प्रसाद, ममता वर्मा, उर्मिला ने विचार रखे।

यह आए सुझाव

- जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त करना।
- पुराने पेड़ो का संरक्षण व पौधारोपण।
- कम पानी वाली फसलों को प्राथमिकता देना।
- ग्राम पंचायत की योजना में जल संचयन एवं संवर्धन की गतिविधियों को शामिल कराना।
- स्कूलों में पर्यावरण की शिक्षा को अनिवार्य करना।
- जल गुणवत्ता बनाए रखने के लिए लोगों को जागरूक करना।

2023-24

लोक भारती चित्रकूट
कानपुर 8
23 मार्च 2024

भूजल प्रबंधन के लिए हर गांव में होना चाहिए मॉडल

लोक भारती न्यूज ब्यूरो,

चित्रकूट। विश्व जल दिवस के अवसर पर मुख्यालय के बेड़ीपुलिया में जिला वाश फोरम के आलोक द्विवेदी की अध्यक्षता में गोष्ठी संपन्न हुई। जिसका मुख्य उद्देश्य भूजल प्रबंधन, स्थिति, समस्याएं व समाधान पर जन संवाद स्थापित करना है।

गोष्ठी में श्री द्विवेदी ने कहा कि हर घर में नल जल योजना से प्रत्येक घर में पानी पहुंचाने की योजना है, लेकिन इसके संचालन एवं रखरखाव की व्यवस्था के लिए पंचायतो के पास कुछ विकल्प होना चाहिए। उद्योग धंधो पर 70 से 80 प्रतिशत पानी खर्च होता है। जिस पर पहल करने की जरूरत है। भविष्य में जिंदा रहने के लिए पानी के इंतजाम करने होंगें। जिला सचिव शंकर दयाल पयासी ने कहा कि पानी की 80 प्रतिशत सप्लाई मंदाकिनी नदी से होती है। गर्मियों में पानी की काफी

गोष्ठी में चर्चा करते पदाधिकारी।

दिक्कत होती है। गांवों के स्रोतों को सुरक्षित रखना होगा। ग्रामोदय विवि के समाजकार्य विभाग के विनोद शंकर सिंह ने कहा कि पहले इंडिया मार्का के हैडपम्प सौ फिट में निरंतर पानी देते थे, लेकिन अब जल स्तर नीचे जाने से पानी देना बंद कर दिया। बरसात का पानी रोकने के लिए हर गांव में मॉडल होना चाहिए। छोटे बांध बनाकर वर्षा के जल का संचय जरूरी है। संस्था के निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि वर्षा जल संचयन एवं संवर्द्धन के लिए पंचायत की योजना में शामिल करना चाहिए।

इस मौके पर श्रवण कुमार, सुनील कुमार, ममता वर्मा, दुर्गा प्रसाद, सुनील, उर्मिला आदि ने अपने विचार रखे।

amarujala.
अमर उजाला कानपुर | शनिवार, 23 मार्च 2024

जल के परंपरागत स्रोतों को रखें सुरक्षित

चित्रकूट। जिला वाश फोरम व वाटर एड के संयुक्त तत्वावधान में विश्व जल दिवस पर शांति के लिए पानी विषय पर गोष्ठी का आयोजन बेड़ी पुलिया में किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य भूजल प्रबंधन, स्थिति, समस्याएं व समाधान पर जन संवाद स्थापित करना था।

जिला वाश फोरम के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने कहा कि हर घर में नल जल योजना से प्रत्येक घर में पानी पहुंचाने की योजना है, लेकिन संचालन व रख रखाव की व्यवस्था के लिए पंचायतों के पास कुछ विकल्प होना चाहिए। सचिव शंकरदयाल पयासी ने बताया कि कर्वी में पानी की 80 प्रतिशत सप्लाई मंदाकिनी नदी से होती है, जिससे गर्मियों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हमें अपने गांव के परंपरागत स्रोतों को सुरक्षित रखना होगा।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के डॉ. विनोद शंकर सिंह ने कहा कि पहले इंडिया मार्का-2 हैंडपंप 100 फिट में निरंतर पानी देता था लेकिन अब जल स्तर नीचे जाने से पानी नहीं दे रहे हैं। अभियान संस्था के निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि हमें वर्षा जल संचयन व संवर्धन के लिए ग्राम पंचायत की योजना में वर्षा जल संग्रहण व संचयन से संबंधित कामों को ग्राम पंचायत की योजना में शामिल कराना चाहिए। इस मौके पर श्रवण कुमार, सुनील कुमार, दुर्गा प्रसाद, ममता वर्मा, उर्मिला आदि मौजूद रहे।

4 दैनिक जागरण कानपुर, 7 जून, 2023

पर्यावरण संरक्षण पर आधारित कार्यक्रम में चर्चा करते समाजसेवी • संवाद

बुंदेलखंड में घटता वन क्षेत्र चिंता का विषय

जागरण संवाददाता, चित्रकूट : पर्यावरण संरक्षण पर आधारित कार्यक्रम में अभियान संस्था के निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि वर्ष 1988 में केंद्र सरकार की वन नीति के अनुसार भूमि का 33 फीसदी वन क्षेत्र होना चाहिए। ताकि पृथ्वी चक्र अच्छे से चल सके।

मगर बुंदेलखंड में वन क्षेत्र लगातार घटता जा रहा है। मौजूदा समय में बुंदेलखंड के चित्रकूट में 19.64 और ललितपुर में 11.54 फीसदी जंगल होने से कुछ स्थिति ठीक है। बुंदेलखंड के पांच जिलों से छह प्रतिशत के आस-पास ही वन क्षेत्र है। सबसे खराब हालात बांदा में है, वहां सिर्फ 2.32 फीसदी वन क्षेत्र है। पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए नीतियों से ज्यादा नीयत की जरूरत है। प्रकृति के लिए दोहरे मापदंड व सिद्धांत बहुत ही खतरनाक हैं, जो हमारी आजीविका, कृषि, जल, जंगल, जमीन व पर्यावरण को प्रभावित करते हैं। जिला वास फोरम के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी व डा. प्रभाकर सिंह ने कहा कि पर्यावरण के आंकड़े चिंताजनक है। पर्यावरण को बचाने के लिए जैविक खेती पर काम करना होगा।

रासायनिक खादों का अन्न जहर है जो हम खा रहे है। लोगों को जागरूक करते हुए देशी खादों का उपयोग व खाली जगह पर पेड़ लगाए जाए। जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति के सचिव शंकरदयाल पयासी ने कहा कि पर्यावरण, कृषि से मानव जीवन जुड़ा हुआ है।

वर्तमान में प्लास्टिक कचरा से ज्यादा, मोबाइल कचरा का ज्यादा खतरा होगा। ग्रामीण परंपरा विकास संस्थान के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि नीतिगत बदलाव की जरूरत है। वाटर एड की कम्युनिटी फैसिलिटेटर ममता ने कहा कि पर्यावरण, संरक्षण, संवर्धन में महिलाओं की भूमिका सांस्कृतिक व धार्मिक रूप से जुड़ी रही है।

8 दैनिक जागरण कानपुर, 26 मई, 2023

बरुवा नदी के संरक्षण व संवर्धन के लिए पद्मश्री उमाशंकर पांडेय व सीडीओ अमृतपाल कौर को पत्र सौंपते समाजसेवी • जागरण

'भारत की संस्कृति व प्रवृत्ति में थे जल संरक्षण के उपाय'

जागरण संवाददाता, चित्रकूट : पानी बचाने का संदेश लेकर गुरुवार को अटल जल शक्ति यात्रा जनपद पहुंची। विकास खंड कर्वी की ग्राम पंचायत पतौड़ा में यात्रा के अगुवा पद्ममश्री जल योद्धा उमाशंकर पांडेय ने कहा कि हमारी भारत की संस्कृति और प्रवृति में जल संरक्षण के बहुत से उपाय रहे हैं। हमारे यहां तालाबों की संस्कृति रही है। लोग पानी भी कम खर्चित रहे हैं। आज फिर उस पर विचार करने की जरूरत है।

इसके पहले उनके नेतृत्व में गांव के अमृत सरोवर से लेकर पूरी ग्राम पंचायत में जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को पानी बचाने का संदेश दिया गया। इसके बाद यात्रा जिला मुख्यालय पहुंची और विकास भवन सभागार में समस्त विभागों, समूह के सदस्यों एवं अग्रणी किसानों के साथ गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस यात्रा का बुधवार को बांदा से जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुभारंभ किया था।

सीडीओ अमृतपाल कौर, डीडीओ आरके त्रिपाठी, परियोजना निदेशक ऋषि मुनि उपाध्याय, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, बीडीओ कर्वी आस्था पांडेय, नोडल अधिकारी अटल भूजल योजना शशांक शेखर सिंह, अभियान संस्था के निदेशक अशोक कुमार व जिला वास फोरम के आलोक द्विवेदी रहे।

बरुवा नदी की व्यथा पद्मश्री को भी सुनाई : दैनिक जागरण 'दम तोड़ती छोटी नदियां' अभियान की गूंज भी अटल जल शक्ति यात्रा के दौरान सुनाई दी। जिला वास फोरम के आलोक द्विवेदी और शंकर दयाल पयाशी ने बरुवा नदी के संरक्षण व संवर्धन के लिए पद्मश्री उमाशंकर पांडेय व सीडीओ अमृतपाल कौर को पत्र सौंपा।

2 दैनिक जागरण कानपुर, 27 अप्रैल, 2023 बुंदेलखंड जागरण

समस्याओं का गांव में ही खोजना होगा समाधान

संवाद सहयोगी, अतर्रा : गांव की समस्याओं का समाधान गांव में करना होगा। तभी आमदनी के साथ प्राकृतिक संतुलन को सही रख पाएंगे। इसके लिए पौधरोपण, जल संचयन व मेड़बंदी करना जरूरी है। यह बातें पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने ग्राम चौसड़ में 'खेत पर मेड़-मेड़ पर खेत कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान कहीं।

तहसील क्षेत्र के ग्राम चौसड़ में अभियान संस्था व एसजीआई के सहयोग से खेत पर मेड़- मेड़ पर खेत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने किसानों से कहा कि गांव की समस्या गांव में हल करने के लिए खेतों में मेड़बंदी व मेड़ में पौधारोपण करना चाहिए। जिससे बारिश का पानी खेतों में रहेगा और खेतों की नमी दूर होने के साथ ही उत्पादकता भी बढ़ेगी। परियोजना प्रबंधक जयनारायण ने बताया कि बांदा-चित्रकूट के तीन ब्लाकों के 30 गांव में किसानों को खेती के साथ बागवानी के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में छह लाख फलदार व इमारती लकड़ी के पौधरोपित किए जाएंगे। अभी 20 हजार पपीता के पौध रोपित की गई हैं। संस्था के निदेशक अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि जल, जंगल, जमीन व जानवर हमारे जीवन के आधार हैं। इनमें किसी भी एक के विघटित होने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने लगता है। सभी को संरक्षित करने की जिम्मेदारी मनुष्य की है। बागवानी के माध्यम से बुंदेलखंड के किसानों की आमदनी बढ़ने के साथ ही प्राकृतिक संतुलन भी बना रहेगा। इसलिए ज्यादा से ज्यादा किसान पारंपरिक खेती को छोड़ आधुनिक तकनीक से बागवानी करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से राजाराम तिवारी, अरविंद कुमार, दुर्गा प्रसाद, रोहित, जगदीश, सूरजभान आदि लोग उपस्थित रहे।

चौसड़ गाव मे अभियान के शुभारंभ मौके पर बोलते पद्मश्री उमाशंकर पांडेय • संस्था

राड से पीट मजदूर को किया घायल, प्राथमिकी

संस, अतर्रा : महदी पुरवा निवासी बलिराम ने तहरीर देकर बताया कि वह मजदूरी कर लौट रहा था। तभी गांव के जगदीश, रामानुज व राजा ने गाली गलौज कर लोहे की राड से मारपीट कर घायल कर दिया। प्रभारी निरीक्षक मनोज शुक्ला का कहना है प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

2023-24

23 फरवरी, 2024 **दैनिक जागरण** कानपुर, **बुंदेलखंड जागरण**

'बुंदेलखंड को 2047 तक जलसंकट से मुक्त कर बनाएंगे माडल'

जागरण संवाददाता, चित्रकूट : प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन में सामूहिक प्रयासों के अवसर बढ़ाने को लेकर 'बुंदेलखंड वाटर विजन @ 2047' कार्यशाला का आयोजन दीनदयाल शोध संस्थान में अभियान अतर्रा बांदा, जिला वाश फोरम चित्रकूट, टाटा ट्रस्ट, आगा खां फाउंडेशन व वाटर एड के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। दो दिवसीय कार्यशाला में बुंदेलखंड को वर्ष 2047 तक जल संकट से मुक्त कर माडल बनाने का आह्वान किया गया। बुंदेलखंड में पानी के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं व व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने कहा कि हम सबको समुदाय के आधार पर परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण की नीति अपनाने की आवश्यकता है। बुंदेलखंड वाटर विजन 2047 छोटे छोटे प्रयोग करके बड़ा परिणाम लाएगा जो देश को नई दिशा प्रदान करेगा। दीनदयाल शोध संस्थान संगठन सचिव अभय महाजन व कोषाध्यक्ष वसंत पंडित ने कहा कि आज पानी का 92 प्रतिशत औद्योगिक क्षेत्र में व्यय हो रहा है। इस पर हमें कुछ करना होगा। खेती में केवल पांच प्रतिशत व घरेलू व्यय में कुल तीन प्रतिशत व्यय होता है। टाटा ट्रस्ट मुंबई के सलिल श्रीवास्तव ने कहा कि पेयजल व्यवस्था में स्थायित्व लाना बहुत आवश्यक है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत सरकार हर घर नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाने का कार्य कर रही है परंतु इस जल का प्रबंधन हमको, समुदाय को मिलकर करना होगा। अमेठी के अर्जुन पांडेय ने कहा कि जल संरक्षण के लिए पौधों का संरक्षण करना पौधारोपण के साथ अति आवश्यक है। आगा खं फाउंडेशन से जयराम पाठक ने कहा कि आज बच्चे डायरिया से मर रहे हैं, विश्व में 31 प्रतिशत लोग साफ-सफाई एवं स्वच्छता के अभाव में मर रहे हैं। बुंदेलखंड वाटर विजन 2047 का उद्देश्य यह है, कि 2047 तक बुंदेलखंड को जल संकट से मुक्त की स्थिति में लाना है जो कि दूसरों के लिए माडल बने।

'बुंदेलखंड वाटर विजन 2047' कार्यशाला में पानी के लिए काम करने वालों को सम्मानित करते पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ● आयोजक

वाटरएड लखनउ के फारुख रहमान खान ने कहा कि बुंदेलखंड वाटर विजन 2047 एक साझा कार्यक्रम है ग्रे वाटर मैनेजमेंट और पेयजल प्रबंधन दोनों के लिए अलग-अलग कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है। अभियान संस्थान के निदेशक अशोक कुमार श्रीवास्तव व पद्मश्री उमाशंकर ने कार्यक्रम में 40 हजार वृक्षों की पिता भैयाराम भारतपुर को स्वैच्छिक पौधरोपण कार्य, झांसी से आई जल सहेलियों के जल प्रबंधन कार्य, विलेज वाश फोरम कौहारी से अनिल कुमार को जल संरक्षण माडल व रुद्र प्रताप मिश्रा ग्रामोन्नति संस्थान महोबा को जैविक खेती पर किए गए कार्यों पर शाल, गमला व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। ध्रुव सिंह, जिला वास फोरम के आलोक द्विवेदी, अनिल गौतम ने विचार रखे।

अमर उजाला

कानपुर | बृहस्पतिवार, 22 फरवरी 2024 **6**

पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक सहयोग जरूरी

चित्रकूट। बुंदेलखंड वाटर विजन 2047 पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दीनदयाल शोध संस्थान में किया गया। में स्वैच्छिक संगठन, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी विभागों से आए हुए पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता व किसानों ने अपने विचार रखे।

अभियान अतर्रा बांदा, जिला वॉश फोरम चित्रकूट, टाटा ट्रस्ट, आगा खॉ फाउंडेशन व वाटर एड के संयुक्त तत्वावधान में प्रकृति के संरक्षण व संवद्र्धन के लिए किये जा रहे सामूहिक प्रयासों को लेकर हुई कार्यशाला में पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने कहा कि जन सहभागिता से किया गया काम लंबे समय तक टिकाऊ होता है। आज विकास के नाम पर पेडो की अधाधुंध कटाई हो रही है। जिससे लगातार ज़लवायु परिवर्तन हो रहा है। इस मौके पर डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, रविकांत पाठक, फारुख रहमान खान, राकेश आदि मौजूद रहे। (संवाद)

अमर उजाला
कानपुर | शुक्रवार, 23 फरवरी 2024 | 2

जल जंगल जमीन, तालाब और पेड़ों की सुरक्षा के लिए करें काम

संवाद न्यूज एजेंसी

चित्रकूट। बुंदेलखंड वाटर विजन कार्यक्रम में तय हुआ कि जल जंगल जमीन, तालाब व पेड़ों की सुरक्षा के लिए कार्य किये जाएंगे। समाज के लोगों को जोड़कर गांव में जाकर जागरूकता फैलाई जाएगी।

दीनदयाल शोध संस्थान के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में कार्यशाला के समापन सत्र में तय किया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करना है।

अभियान संस्था अतर्रा, जिला वाश फोरम चित्रकूट, टाटा ट्रस्ट, आगा खां फाउंडेशन और वाटरएड के संयुक्त तत्वावधान में बुंदेलखंड वाटर विजन 2047 में मुंबई के सलिल श्रीवास्तव ने कहा कि पेयजल व्यवस्था में स्थायित्व होना चाहिए।

अमेठी के अर्जुन पांडेय ने कहा कि जल संरक्षण के साथ पौधरोपण जरूरी है।

बुंदेलखंड वॉटर विजन कार्यक्रम में मंच पर बैठे अतिथि। संवाद

गांव जाकर पुराने पेड़ और तालाब का करेंगे संरक्षण

चित्रकूट के समाजसेवी आलोक द्विवेदी ने कहा कि यहां के किसानों के पास भूमि पर है पर इक्षसचिंत नहीं है इसका सही प्रबंधन नहीं होता है। जल जंगल व जमीन को बचाने का काम करना चाहिए।

आयोजक अशोक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि गांव में जाकर तालाब में जल भराव व पुराने पेडों की संरक्षा का काम किया जाएगा। पेडों के नीचे चबूतरे बनवाये जाएंगे।

इस मौके पर संत मदन गोपालदास, रविकांत पाठक, फारुख रहमान, जयराम पाठक, बसंत पंडित आदि भी मौजूद रहे। झांसी की जल सहेलियों की टीम ने जल संरक्षण कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

दैनिक जागरण कानपुर, 22 फरवरी, 2024 बुंदेलखंड जागरण

'वर्तमान परिदृश्य में कहना पड़ेगा जल ही जीवन'

जागरण संवाददाता, चित्रकूट: दीनदयाल शोध संस्थान के डा. राममनोहर लोहिया सभागार में प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन में सामूहिक प्रयासों के अवसर बढ़ाने विषय पर कार्यशाला हुई। अभियान अतर्रा बांदा, जिला वाश फोरम चित्रकूट, टाटा ट्रस्ट, आगा खां फाउंडेशन और वाटरएड के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड वाटर विजन @ 2047 में बोलते हुए पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने कहा कि समय अनवरत चलता रहता है पर अवसर कभी कभी मिलता है कभी हम कहते थे कि जल ही जीवन है पर वर्तमान परिदृश्य में कहना पड़ेगा कि जल में ही जीवन है।

उन्होंने कहा कि आज के परिवेश में प्रकृति पर जल, जंगल, जमीन और जानवर में मंडरा रहा है। इन समस्याओं से निपटने के लिए हमें जलस्रोतों को, पानी का पानी का संचयन किया जाना आवश्यक है। वर्षा के समय हमें सजग रहना होगा और वर्षा के बूंद का संचयन कर भूमि के अंदर पहुंचाना पड़ेगा।

कार्यशाला में बोलते संत मदनगोपाल दास, उनके बाएं बैठे पद्मश्री उमाशंकर पांडेय • आयोजक

दीनदयाल शोध संस्थान संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि जन सहभागिता से किया गया काम लम्बे समय तक टिकाऊ होता है। आज विकास के नाम पर पेडो की, अधांधुंध कटाई हो रही है। जिससे लगातार जलवायु परिवर्तन हो रहा है। पर्यावरण के लिए काम कर रहे कामदगिरि प्रथम द्वार के संत मदन दास गोपाल ने कहा कि चित्रकूट ऐसी पावन भूमि है जहां ऋषियों ने शोध किया है और भारत माता को दिया है। आज के समय में जल संरक्षण और जल प्रदूषण को कम करने के लिए हमें रोका टोकी करने की आवश्यकता है। संस्था अभियान के निदेशक अशोक कुमार ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य दुनिया में विकास को लेकर पागलपन है। विकास भौतिकवाद से जुड़ा है और प्रकृति का नुकसान हो रहा है। इसी वजह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है व इन मुद्दों को लेकर सभी के प्रयास बिखरे हुए हैं हम सभी को एक साथ मिल कर प्रयास करना होगा। रवि कांत पाठक, फारुख रहमान वाटरएड, राकेश टाटा ट्रस्ट, जयराम पाठक आगा खां फाउंडेशन, बसंत पंडित कोषाध्यक्ष दीनदयाल शोध संस्थान ने विचार रखे।

चित्रकूट आज
कानपुर
1 अक्टूबर 2023
3

जल स्त्रोतों के स्थायित्व पर जिलास्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

कार्यशाला को सम्बोधित करते डीडीओ राजकुमार त्रिपाठी।

चित्रकूट, 30 सितम्बर । अभियान अतर्रा बांदा एवं जिलावॉश फेरम जनपद इकाई एवं वाटरएड के संयुक्त तत्वावधान में जल स्रोतों के स्थायित्व पर जिलास्तरीय कार्यशाला का आयोजन स्वर्णिमा होटल सीतापुर में आयोजित किया गया। समारोह में कर्वी एवं पहाड़ी ब्लाक के विपेज वॉशफेरम, स्वैच्छिक कार्यकर्ता, पंचायत प्रधान एवं जिलावॉश फेरम के सैकड़ों सदस्यों ने कार्यक्रम में भागीदारी की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलस्रोतों के स्थायित्व हेतु वर्षा जल संचयन एवं संग्रहण के संसाधनों को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विकास अभिकारी आर0के0 त्रिपाठी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उमाशंकर पाण्डेय द्वारा की गयी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ममता वर्मा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उमाशंकर पाण्डेय ने बताया कि पूरे विश्व में पानी का संकट है हम सभी को मिलकर आगे आने वाले जलसंकट के बारे में सोचना होगा। प्रतिवर्ष लगभग 1 मीटर वाटर लेवल नीचे जा रहा है। पहले लोग कुओं से पानी लेते थे जिससे पानी निकालने में मेहनत करनी पड़ती थी, जिससे पानी की बर्बादी कम होती थी लेकिन वर्तमान में आसानी से पानी उपलब्ध होने के कारण लोग ज्यादा पानी खर्च करके बर्बाद करते है। आज के परिपेक्ष्य में हमे पानी को बचाना होगा तभी हम आगे आने वाली पीढ़ी का जीवन सुरक्षित कर पायेंगे। उन्होंनें पानी बचाने के लिए शपथ दिलायी।मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी आर0के0 त्रिपाठी ने बताया कि पानी के मुख्यतया दो स्रोत है पहला बरसात का पानी और दूसरा भूजल। पहले लोग कुएं के पानी का उपयोग करते थे लेकिन सरकार द्वारा हैण्डपम्प लगाने शुरू हुए तो लोगों ने हैण्डपम्प का पानी लेना शुरू किया। जिससे पानी की बर्वादी की शुरूआत हुई लेकिन अभी सरकार ने हैण्डपम्पों को लगाने पर रोक लगा दिया है। जल जीवन मिशन परियोजना के माध्यम सेहर घर को जल मुहैया कराने हेतु पाइप लाइन वाटर सप्लाई का काम तेजी से चल रहा है। यह पानी यमुना नदी से लिया जायेगा जिससे भूजल स्तर में ज्यादा गिरावट न हो।

जिला वॉशफेरम के आलोक द्विवेदी ने कहा कि हमारे परम्परागत जल स्रोतों का जलस्तर बहुत तेजी से घट रहा है या तो सूख गये हैं, उनका पुर्नउत्थान करने की आवश्यकता है। जल संरक्षण हेतु खेत तालाब निर्माण, छत वर्षा जल संग्रहण के साथ ही मेढ़ों पर वृक्षारोपण का कार्य करें। जिससे मृदा का कटान रुकेगा। जिससे खेतों में नमी बनी रहेगी व भूमि उपजाऊ होगी और उत्पादकता में वृद्धि होगी।संस्था अभियान के निदेशक अशोक कुमार व जिलावॉश फेरम के शंकर दयाल पयासी ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में वाटरएड के सुनील कुमार, श्रीमती रैंनू शुक्ला, मनीष कुमार, अनिल कुमार, राजमन विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

नहर में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

भौंरी (चित्रकूट), 30 सितम्बर। रैपुरा थाना अंतर्गत ग्राम भौंरी कस्बे से लगे हुऐ गेटा पुरवा नहर में देर रात्रि युवक का शव मिलने से गांव सहित क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने की आशंका जताई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान अजय कुमार उर्फ पिंटू पुत्र ललाई उम्र लगभग 27 वर्ष निवासी गेटा पुरवा भौंरी के रूप में हुई। वहीं सूचना पर देर रात्रि पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी राजापुर, मौके पर रैपुरा पुलिस द्वारा शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया । पुलिस जांच में जुटी है।

आज चित्रकूट

कानपुर

15 दिसम्बर 2023

स्वच्छ भारत मिशन एवं ओ0डी0एफ0 प्लस पर कार्यशाला

चित्रकूट, 14 दिसम्बर । अभियान अतर्रा बांदा, जिला वॉश फोरम चित्रकूट एवं वाटरएड के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छ भारत मिशन एवं ओ0डी0एफ0 प्लस कार्यशाला का आयोजन स्वर्णिमा होटल सीतापुर में आयोजित किया गया। इस समारोह में कर्वी एवं पहाड़ी ब्लाक के विलेज वॉश फोरम, स्वैच्छिक कार्यकर्ता, पंचायत प्रधान एवं जिला वॉश फोरम के सैकड़ों सदस्यों ने भागीदारी की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर में स्वच्छता के आयामों को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी आर0के0 त्रिपाठी, एडीपीआरओ रमेश चन्द्र व स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक प्रभात जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह द्वारा की गयी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ममता वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांसद प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह ने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य व बेहतर जीवन यापन हेतु स्वच्छता सबसे बडी गारण्टी है। आज सरकार, प्रशासन व स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा लगातार स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरुक किया जा रहा है और विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यमों से गॉव व समाज को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। परन्तु शिक्षा के आभाव में आज भी हम लोग पिछड़े हैं। किसी भी कार्यक्रम या योजना को शत प्रतिशत सफल करने हेतु महिलाओं की सहभागिता/भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा।

मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी आर0के0 त्रिपाठी ने बताया कि स्वच्छता एक विचारधारा है और इसका रुप बहुत विस्तृत है। हमें अपने विचार, शरीर, घर व समाज को स्वच्छ बनाना अति आवश्यक है। ओ0डी0एफ0 कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी घरों में शौंचालय बनवाए गए परन्तु केवल 10 प्रतिशत लोग ही शौंचालय का प्रयोग करते हैं और 90 प्रतिशत घरों में आज भी शौंचालय का उपयोग नहीं हो रहा है। स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति हमें स्वयं आगे आकर इस समस्या का समाधान करना होगा। एडीपीआरओ रमेशचन्द्र ने बताया कि सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायतों के प्रत्येक घरों में शौचालय का निर्माण करवाया गया। परन्तु अभी भी उन शौंचालयों का उपयोग नहीं हो रहा है। इसके साथ ही मात्र शौंचालय के बन जाने से स्वच्छता पूर्ण नहीं हो जाती। इसके लिए सरकार द्वारा कुछ चिन्हित गॉवों में आर.आर.सी. सेन्टर बनवाए जा रहे हैं और उन ग्राम पंचायतों के प्रत्येक घरों से कूडा लेकर सेन्टर में जमा किया जाएगा। जिला वॉश फोरम अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने बताया कि हमें अपनी चिन्ता स्वयं करना पडेगा और प्रत्येक गॉव से कुछ नौजवान आगे आकर अपने गॉव व समुदाय के बारे में सोंचे। अपनी समस्याओं और उनके समाधान हेतु हमें स्वयं मुखर होना पडेगा और सरकार की योजनाओं को अपना समझना होगा। सामाजिक सेवी आशीष रघुवंशी ने बताया कि स्वच्छता और पार्यावरण संरक्षण दोनों एक दूसरे के पूरक है। आज सरकार और स्वयं सेवी संगठन स्वच्छता और पार्यावरण संरक्षण को लेकर काम कर रही हैं। परन्तु जब तक स्वच्छता और पार्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर जन सहभागिता सुनिश्चित नहीं होगी तब तक हमारा प्रयास सफल नहीं होगा। संस्था अभियान के निदेशक अशोक कुमार ने बताया कि ÷स्वच्छता÷ हमारे जीवन का एक सम्मान व संस्कार का हिस्सा है। अस्वच्छता के कारण आज तरह-तरह की बीमारियों से समुदाय जूझ रहा है। स्वच्छता के आयामों को बढाने सरकार व संस्था से ज्यादा समुदाय की जिम्मेदारी है। समाज को भौतिकवाद से प्रकृतिवाद की ओर ले जाने की हम सब को परिवार से करनी होगी । कार्यक्रम में सुनील कुमार, श्रीमती रेनू शुक्ला, मनीष कुमार , अनिल कुमार, राजमन विश्वकर्मा मौजूद रहे।

6 दैनिक जागरण कानपुर, 15 दिसंबर, 2023

चित्रकूट/आसपास जागरण

स्वच्छ भारत मिशन व ओडीएफ प्लस कार्यशाला में बोलते संस्था अभियान के निदेशक अशोक कुमार • जागरण

स्वच्छता एक विचारधारा है इसका रूप बहुत विस्तृत : डीडीओ

जागण संवाददाता, चित्रकूट : स्वच्छ भारत मिशन व ओडीएफ प्लस कार्यशाला का गुरुवार को हुई। यह जिला वाश फोरम चित्रकूट व वाटरएड की ओर से कराई गई। डीडीओ आरके त्रिपाठी ने कहा कि स्वच्छता एक विचारधारा है और इसका रूप बहुत विस्तृत है। हमें अपने विचार, शरीर, घर व समाज को स्वच्छ बनाना अति आवश्यक है।

डीडीओ ने कहा कि कार्यक्रम के तहत सभी घरों में शौचालय बनवाए गए लेकिन 90 प्रतिशत घरों में शौचालय का उपयोग हो रहा है। स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति हमें स्वयं आगे आकर इस समस्या का समाधान करना होगा। एडीपीआरओ रमेशचंद्र गुप्ता ने कहा कि सरकार ने ग्राम पंचायतों के प्रत्येक घरों में शौचालय का निर्माण कराया है। मात्र शौचालय बन जाने से स्वच्छता पूर्ण नहीं हो जाती। इसके लिए सरकार ने कुछ चिन्हित गांवों में आरआरसी सेंटर बनवाए हैं। इन ग्राम पंचायतों के प्रत्येक घरों से कूड़ा यहां जमा किया जाएगा। जिला वाश फोरम के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने कहा कि हमें अपनी चिंता स्वयं करनी पड़ेगी। अभियान संस्था के निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि 'स्वच्छता' हमारे जीवन का हिस्सा है। स्वच्छता के आयामों को बढ़ाने में सरकार व संस्था से ज्यादा समुदाय की जिम्मेदारी है। यहां स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक प्रभात, सांसद प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह, ममता वर्मा, आशीष रघुवंशी ने विचार रखे। वाटरएड के सुनील कुमार, रेनू शुक्ला, मनीष कुमार, अनिल कुमार, राजमन विश्वकर्मा रहे।

कानपुर | शुक्रवार, 15 दिसंबर 2023 5

अमर उजाला चित्रकूट

ओडीएफ प्लस कार्यशाला का आयोजन

चित्रकूट । जिला वॉश फोरम व वाटर एड के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छ भारत मिशन व ओडीएफ प्लस कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें मौजूद जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने दावा कि जिले में बने शौचालयों में 90 प्रतिशत का प्रयोग हो रहा है जबकि 10 प्रतिशत का प्रयोग नहीं हो पा रहा है। इसके लिए जागरूकता की जरूरत है क्योंकि स्वच्छता हरेक के जीवन का हिस्सा भी है। जल्द ह ीअभियान चलाकर लोगों को शौचालयों के लिए जागरूक किया जाएगा। (संवाद)

1. बुन्देलखण्ड में वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम

फोटोग्राफ :

वृक्षारोपण हेतु जागरूकता

वृक्षारोपण

बैठक

बुन्देलखण्ड में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम
'खेत में मेड - मेड पर पेड़'
जन जागरूकता अभियान
25.04.2023 से 30.04.2023 तक
आयोजक - अभियान, अतर्रा (बाँदा)/शाखा चित्रकूट
सहयोगी - सस्टेनेबुल ग्रीन इनीशिएटिव (SGI) कोलकाता
ONE TREE PLANTED PROJECT (O.T.P.)
ARM

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम (OTP)
वृक्षारोपण कार्य का आंकलन एवं सीख कार्यशाला
(Assessment & Learning Workshop on Plantation Work)
किसान बोधगम्य
कार्यालय- जैविक ग्राम, बिसण्डा रोड, अतर्रा (बाँदा)

2. जल एवं स्वच्छ जल उपलब्धता परियोजना

फोटोग्राफ :

स्वच्छता पर जन संवाद कार्यशाला

जल स्रोतों के स्थायित्व पर कार्यशाला

बुन्देलखण्ड वाटर विजन 2047

3. एडवोकेशी / नेटवर्किंग फोटोग्राफ :

विश्व जल दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस

ग्राम जल शिविर

हैण्डवाशिंग कम्पेन	

<u>निर्देशन</u>

श्री अशोक कुमार
निदेशक

<u>प्रतिवेदक सहयोगी</u>

1. **श्रीमती ममता वर्मा**
2. **राजमन विश्वकर्मा**